एनपीसीआईएल के मुकुट में एकऔर मणि

विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में अनेक कीर्तिमान बनाने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम 'एनपीसीआईएल' के मुकुट में दिनांक 14 सितंबर 2006 को शाम 5 बजे एक और मणि उस समय जुड़ गया जब भारत के राष्ट्रपति महामहिम डॉ. ए.पी.जे. कलाम ने राजस्थान परमाणु बिजलीघर के वैज्ञानिक अधिकारी-एफ श्री दिलीप भाटिया को तकनीकी क्षेत्र में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए वर्ष 2004 का प्रसिद्ध आत्माराम पुरस्कार श्री राकेश कुमार अवस्थी (लखनऊ) के साथ संयुक्त रूप से दे कर सम्मानित किया। यह पुरस्कार मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय तथा केंद्रीय हिन्दी शिक्षण मंडल, आगरा के संस्थान को हिन्दी सेवी सम्मान योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है। पुरस्कार के रूप में विजेताओं को 50 हजार रुपये की राशि, एक शाल और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाता है।

श्री भाटिया को तारापुर परमाणु बिजलीघर की ओर से भी वर्ष 2001 में 'विज्ञान रत्न' और परमाणु ऊर्जा विभाग की ओर से वर्ष 2002 में 'राजभाषा भूषण' पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।